


आदेश पत्रक - ता०.....से.....तक

जिला....., सं०....., सन् १६.....

केस का प्रकार.....

आदेश की क्रम संख्या कीस तारीख १	आदेश और पदाधिकारी का हस्ताक्षर २	आदेश पर की गई कार्रवाई के बारे टिप्पणी, तारीख-सहित ३
	<p style="text-align: center;"><b>न्यायालय आयुक्त कोशी प्रमंडल, सहरसा</b></p> <p style="text-align: center;">सेवा अपील वाद संख्या:- 292/2013</p> <p style="text-align: center;">मीरा कुमारी --- अपीलार्थी</p> <p style="text-align: center;">वनाम</p> <p style="text-align: center;">राज्य एवं अन्य --- रेस्पोण्डेन्ट्स</p> <p style="text-align: center;"><b>--:आदेश::--</b></p> <p>प्रस्तुत अपील वाद अपीलकर्ता के द्वारा जिला पदाधिकारी, सहरसा के आदेश दिनांक: 28.05.2013 ई० के विरुद्ध खिलाफ रेस्पोण्डेन्ट्स के दाखिल किया गया है।</p> <p>अपीलार्थी का कथन है कि ग्राम पंचायत- शाहपुर के आंगनबाड़ी संख्या: 40 में दिनांक: 27.07.2010 को आम-सभा का आयोजन किया गया था। ग्राम पंचायत: शाहपुर की मुखिया: श्रीमति कंचन देवी एवं चिकित्सा पदाधिकारी की अध्यक्षता एवं उम्मीदवारों की उपस्थिति में उक्त आम-सभा का आयोजन किया गया था। तीन अभ्यर्थियों क्रमशः मीरा कुमारी पति:-पंकज साह, समर देवी, पति:-रविन्द्र राम एवं नीलू कुमारी पति:-सुनील कुमार के द्वारा आशा कार्यकर्ता के पद हेतु आवेदन किया गया। उक्त आवेदनों की जाँच मुखिया एवं चिकित्सा पदाधिकारी के द्वारा की गई। मुखिया द्वारा इसकी सूचना आम लोगो की भी दी गई। खुली आम सभा में मीरा कुमारी पति:-पंकज साह को पंचगछिया के केन्द्र संख्या: 40 के लिए आशा कार्यकर्ता के रूप में चयनित किया गया।</p> <p>अपीलार्थी का यह भी कथन है कि पंचगछिया के उक्त केन्द्र संख्या: 40 के आशा कार्यकर्ता के पद पर अपीलार्थी मीरा कुमारी का चयन दिनांक: 27.07.2010 को खुली आम-सभा में जनता एवं सभी अभ्यर्थियों की उपस्थिति में चयन प्राधिकार द्वारा नियमानुसार किया गया।</p> <p>अपीलार्थी द्वारा प्रस्तुत अपील आवेदन में आगे उनका यह भी कथन है कि चयन होने के बाद चयन प्राधिकार द्वारा उनके पत्रांक: 77311 दिनांक: 18.10.2011 द्वारा अपीलार्थी मीरा कुमारी को चयन संबंधी पत्र हस्तगत कराया</p>	





गया।

अपीलार्थी का आगे यह भी कथन है कि चयन के उपरांत उन्हें दिनांक: 16.12.2011 से 23.12.2011 तक प्रशिक्षण हेतु भेज दिया गया। अपीलार्थी द्वारा दिनांक: 16.12.2011 से 23.12.2011 तक प्रशिक्षण प्राप्त किया गया एवं प्रशिक्षणोपरांत उन्हें तत्संबंधी प्रमाण प्राप्त हुआ। प्रशिक्षण प्राप्त करने के उपरांत उन्होंने अपने पदस्थापन स्थान में योगदान कर कार्य प्रारंभ किया।

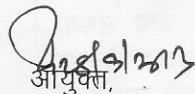
अपीलार्थी द्वारा आगे यह कहा गया है कि अपीलार्थी 9वीं कक्षा उत्तीर्ण है। उपरोक्त केन्द्र पर कार्यरत रहने के दौरान ही उनके द्वारा पंजाब नेशनल बैंक में एक खाता खुलवाया गया।

अपीलार्थी द्वारा यह भी कथन किया गया है कि रविन्द्र राम के द्वारा अपीलार्थी मीरा कुमारी के चयन के विरुद्ध परिवाद पत्र दाखिल किया गया जिसपर मामले की जाँच की गई तदोपरांत समाहर्ता, सहरसा द्वारा बिना किसी सुनवाई एवं स्पष्टीकरण निर्गत किये ही अपीलार्थी का चयन निरस्त कर दिया गया जो कि विधि संगत प्रतीत नहीं होता है।

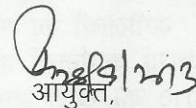
सुनवाई के क्रम में सरकारी अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि निम्नन्यायालय के स्तर पर ग्राम पंचायत शाहपुर, ग्राम - गोबरगढ़ा वार्ड नं०-8 प्रखंड सत्तर कटैया में आशा कार्यकर्ता के चयन में अनियमितता के संबंध में श्री रविन्द्र राम का परिवाद पत्र के आलोक में प्रखंड विकास पदाधिकारी सत्तरकटैया से जाँच कराया गया है एवं प्राकृतिक न्याय सिद्धान्त के अनुसार निम्न न्यायालय द्वारा उभय पक्षों की सुनवाई भी की गयी है। प्रखंड विकास पदाधिकारी से प्राप्त जाँच प्रतिवेदन एवं सुनवाई के उपरांत यह तथ्य उजागर हुआ कि आशा कार्यकर्ताओं के चयन में विभागीय निदेशों की अनदेखी की गई है। वर्णित स्थिति में जिला पदाधिकारी जो आशा के चयन को निरस्त करने का सक्षम प्राधिकार है, के द्वारा ग्राम पंचायत शाहपुर ग्राम गोबरगढ़ा, वार्ड नं० 08 प्रखंड सत्तरकटैया में आशा कार्यकर्ता के रूप में चयनित श्रीमती मीरा देवी का चयन निरस्त किया गया है, जो सही है। जिला पदाधिकारी द्वारा आशा के चयन को निरस्त करने के उपरान्त प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, प्रा० स्वा० केन्द्र द्वारा पन्द्रह दिन में आम सभा बुलाकर पुनः आशा का चयन दिशा निर्देश का अनुपालन करते हुए किया जाना है। इसमें अपील का कोई प्रावधान नहीं है।

अपीलार्थी के विद्य अधिवक्ता एवं सरकारी अधिवक्ता को सुनने एवं अभिलेख के अवलोकन से स्पष्ट है कि श्रीमती मीरा कुमारी का चयन आशा कार्यकर्ता के रूप में विभागीय अनुदेशों का अनदेखी कर किया गया है जिसे सक्षम प्राधिकार जिला पदाधिकारी द्वारा निरस्त किया गया है। राज्य स्वास्थ्य समिति, बिहार के तत्वधान में जिला स्वास्थ्य समिति के तहत "आशा" के चयन संबंधित मार्गदर्शिका के अनुसार आशा कार्यकर्ता को सरकारी सेविका नहीं बल्कि महिला स्वयंसेविका माना गया है। चयन रद्द होने के कारण इनके अपील सुनने का प्रावधान बोर्ड प्रकीर्ण नियमावली-1955 के प्रावधानों के अनुरूप नहीं है। बोर्ड प्रकीर्ण नियमावली -1955 के नियम 2 एवं 3 के तहत यह वाद इस न्यायालय में सम्पोषनीय नहीं है। वर्णित स्थिति में अपील अस्वीकृत। इसी के साथ वाद निस्तारित किया जाता है।

लेखापित एवं संशोधित।

  
आयुक्त,

कोशी प्रमंडल, सहरसा

  
आयुक्त,

कोशी प्रमंडल, सहरसा